हीटवेव का खतरा और ग्लोबल वार्मिंग

आज ग्लोबल वार्मिंग का दौर है और ग्लोबल वार्मिंग के इस दौर में बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम का सामान्य बदलाव नहीं रह गई है, बल्कि यह एक गंभीर आपदा का रूप ले चुकी है। कहना ग़लत नहीं होगा कि लगातार बढ़ता तापमान, हीटवेव और जल संकट लोगों के स्वास्थ्य, कामकाज और दैनिक जीवन पर गहरा असर डाल रहे हैं।

खासकर उत्तर भारत इस समय भीषण गर्मी की चपेट में है, जहां कई राज्यों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हाल के दिनों में उत्तर प्रदेश का बांदा देश का सबसे गर्म शहर माना गया, जहां तापमान लगभग 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

इसके अलावा महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी क्षेत्र भी अत्यधिक गर्मी के कारण चर्चा में रहा, जहां तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से अधिक रिकॉर्ड किया गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर और बाड़मेर, हरियाणा के सिरसा और रोहतक, तथा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज और झांसी जैसे शहर भी भीषण गर्मी का सामना कर रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी और हीटवेव का मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग, कम होती हरियाली और बढ़ता प्रदूषण माना जा रहा है। इससे लोगों के स्वास्थ्य, जल संकट और सामान्य जनजीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है।

बढ़ती गर्मी के कारण दिन के समय सड़कों पर सन्नाटा दिखाई देने लगा है और आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। मजदूर, किसान, रिक्शा चालक और खुले में काम करने वाले लोग सबसे अधिक परेशान हैं। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों में डिहाइड्रेशन, चक्कर आना, हीट स्ट्रोक और अन्य बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है।

पाठक जानते होंगे कि भारत इस समय दुनिया के सबसे गर्म देशों में शामिल हो गया है। देश की लगभग 76 प्रतिशत आबादी सामान्य से अधिक गर्मी का सामना कर रही है। हर साल बढ़ती गर्मी अब केवल मौसम की समस्या नहीं, बल्कि एक बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है।

अस्पतालों में गर्मी से प्रभावित मरीजों की संख्या बढ़ रही है। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए यह स्थिति और अधिक खतरनाक बन गई है। इसी गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट बैठक में सभी मंत्रालयों को हीटवेव से लोगों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ आम नागरिकों से भी मिलकर काम करने की अपील की है, ताकि गर्मी से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

देश के अधिकांश शहर पहले से ही प्रदूषण, कम हरियाली और खराब शहरी योजना जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। महानगरों में तेजी से बढ़ते कंक्रीट के जंगल, वाहनों की अधिकता और बढ़ती आबादी के कारण गर्मी और अधिक महसूस होती है। शहरों में पेड़ों की कटाई और खुले स्थानों की कमी ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।

गांवों की तुलना में शहरों में तापमान अधिक रिकॉर्ड किया जा रहा है। यही कारण है कि लोग रात के समय भी गर्मी से राहत महसूस नहीं कर पा रहे हैं। ये शहर देश की अर्थव्यवस्था के प्रमुख केंद्र हैं, इसलिए लोगों का बाहर निकलना और काम करना जरूरी होता है, जिसके कारण वे हीटवेव का सबसे ज्यादा प्रभाव झेलते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की गर्मी से होने वाली मौतों में तेजी से वृद्धि हुई है।

साइमन स्टील के अनुसार, बढ़ती गर्मी की सबसे बड़ी वजह क्लाइमेट चेंज है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में हालात और अधिक कठिन हो सकते हैं। इसलिए सरकारों और समाज को मिलकर दीर्घकालिक तैयारी करनी होगी।

शहरों में अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने, स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और प्रदूषण कम करने जैसे कदम बेहद जरूरी हैं। साथ ही सस्ती और निरंतर बिजली उपलब्ध कराना भी आवश्यक है, ताकि लोग अत्यधिक गर्मी से राहत पा सकें। स्थानीय प्रशासन को भी गर्मियों के लिए उतनी ही गंभीर तैयारी करनी चाहिए, जितनी बारिश या सर्दियों के दौरान की जाती है।

अंत में, यह स्पष्ट है कि बढ़ती गर्मी अब केवल मौसमी परेशानी नहीं रही, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और भयावह रूप ले सकता है। इसलिए सरकार, समाज और आम नागरिकों को मिलकर पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को रोकने की दिशा में गंभीर और सतत प्रयास करने होंगे।

तभी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य दिया जा सकेगा।

कार्टून कोना...

महू फुटबॉल टूर्नामेंट-स्पोर्टिंग यूनियन इंदौर अंडर-16 बालिका वर्ग के फाइनल में, डे बोर्डिंग महू सेमीफाइनल में पहुंचा

महू (इंदौर समाचार) स्थानीय हाई स्कूल स्टेडियम ग्राउंड पर रोमांच और संघर्ष से भरपूर मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। दिवंगत युवा फुटबॉलर जोशुआ बेंजामिन की स्मृति में आयोजित नि:शुल्क जिला स्तरीय ग्रासरूट फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन इंदौर जिला फुटबॉल संघ एवं खेल एवं युवा कल्याण विभाग इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन अंडर-16 बालिका, अंडर-13 बालक एवं अंडर-19 बालक वर्ग के कुल तीन महत्वपूर्ण मुकाबले खेले गए।

मैच के दौरान मुख्य अतिथि इंदौर जिला फुटबॉल संघ के कार्यालय सचिव शैलेन्द्र वर्मा, उपाध्यक्ष अशोक पिल्ले एवं सुरेश डामोर उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौसला बढ़ाया और ग्रामीण व युवा प्रतिभाओं को ऐसा मंच प्रदान करने के लिए आयोजन की सराहना की।

इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत संतोष ट्रॉफी खिलाड़ी एवं जिला फुटबॉल संघ के सहसचिव अविनाश यादव, विक्रम शक्तावत, रमीज राजा, अजय खजूर तथा खेल विभाग के कोच लवलेश सिलावट, सचिन चौहान एवं अन्य सदस्यों द्वारा किया गया। कार्यक्रम संचालन अमित शुक्ला ने किया।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन तीनों वर्गों में कांटे की टक्कर देखने को मिली-

अंडर-16 बालिका वर्ग - स्पोर्टिंग यूनियन फाइनल में इस मुकाबले में स्पोर्टिंग यूनियन फुटबॉल क्लब इंदौर ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक रणनीति का प्रदर्शन किया। उन्होंने आदिवासी गर्ल्स फुटबॉल क्लब इंदौर को 1-0 से शिकस्त देकर सीधे फाइनल में प्रवेश कर लिया।

अंडर-19 बालक वर्ग- इस वर्ग में आदिवासी एकेडमी फुटबॉल क्लब इंदौर और यूथ स्पोर्ट्स डेवलपमेंट एकेडमी फुटबॉल क्लब महू के बीच बेहद संघर्षपूर्ण मैच हुआ। अंततः आदिवासी एकेडमी फुटबॉल क्लब इंदौर ने 1-0 से गोल दागकर मुकाबला अपने नाम किया।

अंडर-13 बालक वर्ग- डे बोर्डिंग सेंटर फुटबॉल क्लब महू और ग्रासरूट फुटबॉल क्लब इंदौर के बीच खेले गए मैच में डे बोर्डिंग सेंटर महू ने दमदार खेल दिखाते हुए 2-0 से जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की।

मैच के निर्णायक मनोज मोरने, दीपक चौहान, आशीष सेन, प्रियांशु चोपड़ा एवं शाहरुख खान थे।

आज होंगे चार सेमीफाइनल मुकाबले

टूर्नामेंट के अगले चरण के तहत आज सायं 3 बजे से अंडर-13 और अंडर-19 बालक वर्ग के चार महत्वपूर्ण सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

न मैचों में जिले की प्रतिभाशाली टीमें फाइनल का टिकट कटाने के लिए मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी।

प्रभु राम भारत भूमि का चरित्र, शील, संयम, सदाचार और नैतिकता हैं

इंदौर। प्रभु राम धर्म, मर्यादा और संस्कृति की शाश्वत मूर्ति हैं। जग में सुंदर हैं दो नाम, चाहे कृष्ण कहो या राम। प्रभु राम भारत भूमि का चरित्र, शील, संयम, सदाचार, और नैतिकता हैं तो कृष्ण माधुर्य, दर्शन और मनीषी के प्रतिरूप हैं। धर्म से आनंद, वैभव और शांति की प्राप्ति होती है। धर्म वह नौका है जो हमें स्वर्ग लेकर जाएगी।

धर्म एक छवि है, धर्म एक आकार है, धर्म संवेदना है। चारों भाइयों के बीच समर्पण, त्याग और अपनत्व के उदाहरण बेमिसाल हैं। दुनिया के किसी अन्य ग्रन्थ और कथा में इस तरह के प्रेरक प्रसंग नहीं हैं। इसीलिए राम हर युग में वन्दनीय हैं।

विद्वान वक्ता ने कहा कि यदि धर्म के मार्ग पर चलकर हम अपने राम का नियमित स्मरण करते रहें तो यह भी धर्म-आचरण माना जाएगा। राम को यह दिव्यता प्रदान करने में छोटे भाई भरत सही सभी भाइयों का त्याग और समर्पण रहा है। भरत और राम के बीच स्नेह और विश्वास के सूत्र इतने मजबूत हैं कि हर भाई कि यही इच्छा होती है कि छोटा भाई हो तो भरत जैसा और बड़ा हो तो राम जैसा। पुत्र हो तो राम जैसा और पति हो तो राम जैसा। दूसरी ओर आज भी भारतीय परिवारों में कैकेयी, शूर्पणखा और मंथरा जैसे नाम नहीं रखे जाते।

इन तीनों ने अपने कर्मों से अपने नामों को लांछित बना डाला। इनके नाम इतिहास में जरुर हैं लेकिन लोगों की नजरों से उतरे हुए हैं। राम कथा की सार्थकता यही है कि हम राम के आदर्शों और मर्यादा पुरुषोत्तम के संस्कारों को घर-घर और नगर-नगर तक पहुंचाएं।

हनुमत महायज्ञ की पूर्णाहुति - आश्रम पर महंत शुकदेवदास महाराज के सानिध्य एवं यज्ञाचार्य पं. ललित पाठक के निर्देशन में 51 विद्वानों द्वारा प्रतिदिन सुबह 8 से दोपहर 1.30 बजे तक आश्रम परिसर में निर्मित यज्ञशाला में चल रहे हनुमत महायज्ञ की पूर्णाहुति सौल्लास सम्पन्न हुई। समाजसेवी विष्णु बिंदल, टीकमचंद गर्ग, दिनेश मित्तल, गोपाल गोयल, डॉ. सुरेश चोपड़ा, ललित अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, मुकेश जैन, विजय सिंह राणा, ओमप्रकाश अग्रवाल, संतोष कुमार सिंह के आतिथ्य में जैसे ही दोपहर में 12 लाख 80 हजारवीं आहुति डाली गई, समूची यज्ञशाला एवं हरिधाम परिसर यज्ञनारायण के जयघोष से गूंज उठे। प्रभु श्रीराम एवं हनुमानजी के जयघोष से हरिधाम क्षेत्र गुंजायमान बना रहा।

युवाओं को तरफा नृत्य, गोलम आदिवासी, धनगर सहित अन्य पारंपरिक लोकनृत्य का दिया प्रशिक्षण

इंदौर (नवीन मौर्य)। नई पीढ़ी को भारतीय लोक संस्कृति और पारंपरिक कला से जोड़ने के उद्देश्य से मराठी सोशल ग्रुप द्वारा आयोजित चार दिवसीय लोककला एवं लोकनृत्य कार्यशाला में तरफा नृत्य, गोलम आदिवासी, धनगर, नमन, कोली, सीतकरी,वारकरी दिंडी सहित अन्य विभिन्न लोकनृत्यों का प्रशिक्षण दिया।

ज्योत्स्ना सोहनी एवं तृप्ति महाजन ने बताया कि कार्यशाला में प्रतिभागियों को यह प्रशिक्षण मुबंई के प्रसिद्ध नृत्य निर्देशक, अभिनेता व लेखक अनिल नरहर सुतार द्वारा दिय। कार्यशाला के दूसरे दिन लोकमान्य नगर स्थित लोकमान्य विद्या निकेतन में जूनियर वर्ग के प्रतिभागी सुबह नौ से दोपहर एक बजे तक और सीनियर वर्ग के प्रतिभागी दोपहर तीन बजे से शाम सात बजे तक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है।

कार्यशाला को अपेक्षा से अधिक उत्साहजनक प्रतिसाद मिला है। जूनियर और सीनियर दोनों वर्गों में प्रतिभागियों की संख्या इजाफा हुआ। रविवार को कार्यशाला का अंतिम दिन रहेगा। उस दिन शाम को सभी प्रशिक्षुओं द्वारा विभिन्न नृत्य समूह में रंगारंग प्रस्तुति दी जाएगी।

हमारी छोटी सी कोशिश हजारों पक्षियों की जिंदगी बचा सकती है

अभिनेत्री सारिका दीक्षित ने पशु पक्षियों के लिए बांटे सकोरे

इंदौर। भीषण गर्मी में इंसान ही नहीं, बेजुबान पक्षी भी प्यास से परेशान हैं। मैं सभी लोगों से विनम्र अपील करती हूं कि अपने घरों की छत, बालकनी या आंगन में पक्षियों के लिए पानी से भरे सकोरे जरूर रखें। हमारी छोटी-सी कोशिश हजारों पक्षियों की जिंदगी बचा सकती है। यह बात टीवी अभिनेत्री एवं मॉडल सारिका दीक्षित ने मेघदूत गार्डन में पशु- पक्षियों के लिए सकोरे बांटते समय कही। मेघदूत गार्डन में आने वाले सभी लोगों ने पशु पक्षियों के जीवन को बचाने के लिए शपथ ली और यह विश्वास दिलाया कि हम इन सकोरों में जरूर पशु - पक्षियों के लिए दाना - पानी रखेंगे। सारिका दीक्षित हमेशा ही पशु पक्षियों और मानव सेवा के लिए तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि पशु पक्षी के बिना हमारे जीवन का आधार नहीं है। उनकी रक्षा करना प्रकृति की रक्षा करना है। सारिका ने कहा कि आइए, इस गर्मी में दया और संवेदनशीलता का परिचय दें और प्रकृति के इन सुंदर मेहमानों की प्यास बुझाने में अपना योगदान दें।

धूमधाम से मनाया गया प्रभु श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

इंदौर। भगवान कृष्ण ने समाज की राक्षसी प्रवृत्तियों के नाश के लिए ही अवतार लिया। दुनिया के सारे विवाद वहां पैदा होते हैं जहाँ मर्यादा की लक्ष्मण रेखा लांघी जाती है। कृष्ण और राम के चरित्र आज हजारों वर्ष बाद भी वन्दनीय और पूजनीय बन्दे हुए हैं क्योंकि समाज के गौरव और अस्मिता को बढाने तथा दुष्टों का नाश कर भक्तों की रक्षा करने का संकल्प आज भी हमें अनुभूत होता है।

श्री मालवा मील अग्रवाल पंचायत की मेजबानी में अग्रवाल धर्मशाला, वाय एन रोड पर चल रहे भागवत ज्ञान यज्ञ में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

नंद में आनंद भयो जय कन्हैयालाल की भजन पर समूचा कथा स्थल नाच उठा। बधाई और मंगल गीतों के बीच भक्तों ने उत्सव का आनंद लिया। पंचायत के अध्यक्ष गोविन्द गर्ग, मंत्री सुशील अग्रवाल, संयोजक राजेश अग्रवाल, अर्पण गर्ग एवं उमेश मंगल ने बताया कि पंचायत की ओर से व्यास पीठ का पूजन मुख्य यजमान श्यामा-नरेश मित्तल, संजय बांकडा, कैलाश काका, विनोद मंगल, विक्की मित्तल, शिव खंडेलवाल, प्रमोद तिवारी आदि ने किया।

विद्वान वक्ता की अगवानी केन्द्रीय समिति के पूर्व अध्यक्ष संतोष गोयल एवं अशोक अग्रवाल, सतीश मंगल, सुभाष अग्रवाल, कल्याण अग्रवाल, महेश दुर्गालाल मित्तल, सतीश गोयल, प्रमोद अग्रवाल, नवीन गोयल, नरेन्द्र अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल ने की। महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मोनिका पोत्दार, नीलू अग्रवाल, सरोज गोयल, बबीता अग्रवाल, शैली अग्रवाल ने जन्मोत्सव के दौरान फूलों से समूचे कथा स्थल को श्रृंगारित किया और जन्मोत्सव के पश्चात भगवान को पालने में झुलाया। समूचे कथा स्थल को गुब्बारों से सजाकर माखन-मिश्री का भोग समर्पित किया गया। संचालन सुशीला अग्रवाल ने किया और आभार माना मनोहर अग्रवाल ने।

दया, करुणा और परमार्थ जैसे गुण ही हमें मानव से महामानव बनाएंगे

इंदौर, । भारतीय संस्कृति में विवाह ही वह व्यवस्था है जो समाज को मर्यादा और शालीनता में बांधे हुए है। समाज में कंस प्रवृत्ति द्वापर युग में भी थी, त्रेता युग में भी रही और आज भी है। रुक्मणी विवाह भगवान का नारी के प्रति मंगलभाव का सूचक है। सोना, चांदी और पैसा तो चुराया जा सकता है लेकिन ज्ञान और भक्ति ऐसे अनमोल खजाने हैं, जिन्हें कोई नहीं चुरा सकता।

मनुष्य जीवन हमें परमात्मा की ओर से दिया गया दुर्लभ उपहार है। अपनी जिम्मेदारियों से पलायन करना कतई उचित नहीं है। धन का सबसे बड़ा सदुपयोग यही है कि वह जरूरतमंद लोगों की आँखों के आंसू पोछने के काम आए। जीवन में दया, करुणा और परमार्थ जैसे गुण ही हमें मानव से महामानव बना सकते हैं।

ये दिव्य विचार हैं श्रीधाम वृंदावन के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी भास्करानंद के, जो उन्होंने शुक्रवार को गीता भवन सत्संग सभागृह में पुरुषोत्तम मास के उपलक्ष्य में चल रहे श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ के छठे दिन रुक्मणी विवाह सहित विभिन्न प्रसंगों के दौरान उपस्थित जन सैलाब को आशीर्वचन देते हुए व्यक्त किए। कथा में भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणी के विवाह का जबरदस्त उत्सव मनाया गया। वर-वधू पक्ष ने नाचते-गाते हुए बारात के रूप में एकदूसरे का स्वागत पुष्प वर्षा के बीच किया। साध्वी कृष्णानंद द्वारा के बधाई के मधुर गीतों की प्रस्तुतियों ने इस उत्साह को कई गुना अधिक उल्लास से भर दिया। वर-वधू ने एकदूजे को जैसे ही वरमाला पहनाई, सत्संग सभागृह भगवान के जयघोष से गूंज उठा। कथा शुभारंभ के पहले व्यासपीठ का पूजन प्रमुख संयोजक संजय-किरण मंगल, बिनोद-सुनीता अग्रवाल, समाजसेवी प्रेमचंद गोयल, विष्णु बिंदल, अविरल मंगल, राजेश जैन स्विफ्ट, अशोक ऐरन, गोपाल अग्रवाल, विकास अग्रवाल आदि ने किया। विद्वान वक्ता की अगवानी अवनि-अनंत अग्रवाल, विनीता-अक्षत अग्रवाल, दीपचंद गर्ग मोमबत्ती, चंचल अग्रवाल आदि ने की। संयोजक संजय मंगल ने बताया कि कथा का समापन शनिवार 30 मई को दोपहर 3.30 से शाम 7 बजे तक सुदामा चरित्र प्रसंग के पश्चात फूलों की होली के साथ होगा।

महू एवं इंदौर के कलाकारों की जुगलबंदी ने इंदौर प्रेस क्लब में मचाई धूम

महू (इंदौर समाचार) इंदौर प्रेस क्लब में महू एवं इंदौर के कलाकारों के जुगलबंदी ने गीतों की महफिल सजाई अवसर था राज जनकल्याण सामाजिक संस्था एवं संस्कृति म्यूजिक ग्रुप महू द्वारा आयोजित कार्यक्रम महू की महफिल का कार्यक्रम संयोजक राजेंद्र श्रीवास एवं संजय दीवान के संयोजन में सूत्रधार एवं सिंगर राजकुमार बागड़ी ने क्रमबद्ध महू के गायक कलाकार सुरेश वैध, अनिल राय बाथम, अतुल शुक्ला, सी पी शर्मा, प्रमोद शर्मा, हेमंत जैन, ओ पी बारसे, सोनू डॉलर, योगेश पहारे, शंभु शरण के साथ इंदौर, महू एवं धामनोद की गायिकाओं राजकुमारी सोनी, अनुमति शर्मा, पायल सोलंकी, दिया तायडे, मोनू कर्मा, गुनगुन देशवाल, मीना के साथ गीतों की एक से बढ़कर एक जुगलबंदी प्रस्तुत की इस अवसर पर अतिथि के रूप में पधारे इंदौर के वरिष्ठ गायक एवं शिक्षा विभाग से सेवानिवृत हुए सलीम खान साहब ने तलत महमूद का एक बेहतरीन नगमा ÷अंधे जहाँ के अंधे रास्ते÷ पेश किया! उसके पश्चात ग्रुप द्वारा उनका प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया! इस अवसर पर वरमोरा टाइल्स के शकिर शेख भी अतिथि के रूप मे उपस्थित थे।